मुख्य परीक्षा

असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन के बीच मूलभूत अंतर को स्पष्ट कीजिए।

(200 शब्द)

Explain the basic difference between non co-operation movement and civil disobedience movement

(200 Words)

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन गांधीजी के नेतृत्व में चलाये गये बड़े जनाधार वाले आंदोलन थे। इन आंदोलनों में कुछ मूलभूत अंतर थे।

मुख्य विषय वस्तु

- असहयोग आंदोलन में सरकार एवं सरकारी तंत्र के साथ असहयोग करके इन्हें पंगु बनाकर भारत में उनके बने रहने के सैद्धांतिक औचित्य पर ही प्रश्न उठाया गया, क्योंकि ब्रिटिश शासन भारत में भारतीयों के सहयोग से ही टिकी थी। वहीं सविनय अवज्ञा आंदोलन कुछ विशिष्ट कानूनों का उल्लंघन कर बाधा उत्पन्न करना चाहता था।
- असहयोग आंदोलन में 'एक वर्ष में स्वराज' की बात की गई, किन्तु सविनय अवज्ञा में 'पूर्ण स्वराज' का लक्ष्य रखा गया।
- असहयोग आंदोलन ने भौगोलिक, लिंगीय, वर्गीय सीमाओं को तोड़कर ब्रिटिश सत्ता को सकते में ला दिया। महिलाएं, मजदूर, छात्रों की भूमिका रही, वहीं सविनय अवज्ञा आंदोलन में आंदोलन का फलक और विस्तृत हुआ तथा इसमें पूंजीपतियों ने भी अपनी भूमिका निभाई। पूंजीपति 'मुद्रा विनिमय पद्धति' और 'साम्राज्यिक वरीयता का सिद्धांत' से क्षुब्ध थे।
- यद्यपि गांधीजी हर हाल में आंदोलन को अहिंसक रखना चाहते थे, किन्तु हिंसक घटनाएं भी हुई। गांधी जी की अहिंसक रणनीति के रूख में परिवर्तन दिखा। 1930 में चिटगांव में शस्त्रागार पर कब्जा, पेशावर में खुदाई खिदमतगार के स्वयं सेवकों का उग्र प्रदर्शन आदि।
- हिन्दू-मुस्लिम एकता, जो असहयोग में दिखा था, वह सविनय अवज्ञा में नजर नहीं आता।

अंत में संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दे।